• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •
वर्ष 23 | अंक 238 | पृष्ठ : 24+6
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
शनिवार, 6 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण-द्वितीया
विक्रम संवत-2082

एशेज | इंग्लैंड को 5 कैच छोड़ना पड़ा भारी, ऑस्ट्रेलिया को 44 रन की बढ़त...स्पोर्ट्स | दिल्ली-एनसीआर

धनौरी वेटलैंड में 250 एकड़ में बनेगा बायोडायवर्सिटी पार्क, मिलेंगी सुविधाएं

यमुना प्राधिकरण ने शुरू की अनुभवी एजेंसी के तलाश की प्रक्रिया शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी में धनौरी वेटलैंड को यीडा एक बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में विकसित करेगा। मौजूदा वेटलैंड के क्षेत्रफल को भी बढ़ाने की तैयारी है। यह बायोडायवर्सिटी पार्क करीब 250 एकड़ में फैला होगा। प्राधिकरण का प्रयास है कि बिना प्राकृतिक पर्यावास को प्रभावित किए यहां घूमने के लिए जरूरी पाथवे और लोगों के घूमने के लिए पार्क विकसित किए जाएं। अनुभवी एजेंसी की मदद से इसका डिजाइन तैयार करने के लिए प्राधिकरण जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि गौतमबुद्धनगर के लिए धनौरी वेटलैंड का बड़ा महत्व है। इसको लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भी पूर्व में चिंता जाहिर कर चुका है। इसे अगर ठीक से विकसित किया जाए तो यह भविष्य में यमुना सिटी में पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। वेटलैंड के संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों को ध्यान में रखते हुए धनौरी वेटलैंड को एक बायोडायर्विटी पार्क के रूप में विकसित करने का फैसला लिया गया है। मौजूदा वेटलैंड का क्षेत्रफल करीब 175 एकड़ है। बाकी 75 एकड़ का अधिग्रहण प्राधिकरण करेगा। यह जमीन ग्रीनबेल्ट के रूप में चिंहित है।

अधिग्रहण पर करीब 150 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। प्राधिकरण इसका समायोजन दूसरे सेक्टरों में कर सकता है शुक्रवार को होने वाली बैठक में भी सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द ही आरएफपी तैयार कर टेंडर प्रक्रिया शुरू कराएं। अनुभवी एजेंसी इस काम को करे। इसे भी सुनिश्चित करें। प्राधिकरण के उद्यान विभाग को इसकी जिम्मेदारी सीईओ ने सौंपी है। सीईओ ने निर्देश दिया है कि वेटलैंड के रीब 135 एकड़ के दलदली हिस्से पर पूर्व की तरह स्थानीय काश्तकारों के अधिकार बने रहेंगे। अगर कोई वहां खेती या मछली पालन कर रहा है तो उसे करने दिया जाएगा। वेटलैंड के स्वरूप को बदलने की अनुमति किसी को नहीं होगी।

क्या होगा बायोडायवर्सिटी पार्क का स्वरूप? : बायोडायवर्सिटी पार्क में वेटलैंड की वनस्पति के अलावा जलीय जीवन, वन्यजीव की मौजूदगी को संरक्षित करने पर काम होगा। बिना प्राकृतिक पर्यावास को प्रभावित किए बिना देशी वनस्पति प्रजातियों को भी यहां विस्तार दिया जा सकेगा।

यमुना सिटी में धनौरी वेटलैंड । फाइल फोटो

रामसर साइट का प्रस्ताव खारिज

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में धनौरी वेटलैंड को रामसर साइट का दर्जा दिलाए जाने का प्रयास भी हुआ। यह वेटलैंड लेकिन रामसर टैग के लिए जरूरी शर्त को पूरा नहीं करती। एनजीटी ने भी इसके लिए पूर्व में निर्देश दिए थे लेकिन बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया।

विभाग बताए कितना खर्च किया

सीईओ ने प्रभागीय वन अधिकारी को भी एक पत्र भेजा है। इसमें पूछा गया है कि धनौरी वेटलैंड से गंदगी व जलकुंभी हटाने के लिए पूर्व में दिए गए 80 लाख रुपये का बजट दिया गया था। इस बजट में से कितना उपयोग हुआ और क्या काम कराए गए?

आगरा अर्बन सेंटर में दिखेगी मुगलिया विरासत की झलक

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण-यीडा के आगरा अर्बन सेंटर में मुगलिया विरासत के साथ ताज और ब्रज की झलक दिखेगी। आगरा अर्बन सेंटर की महायोजना के ड्राफ्ट को इसे सुनिश्चित करने के लिए जीबीयू का स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर परखेगा। यीडा ने महायोजना के ड्राफ्ट को जीबीयू की फैकल्टी को भेज दिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों का मानना है कि बाकी औद्योगिक शहरों की तरह आगरा अर्बन सेंटर न बन जाए। ऐसे में स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर से सहयोग मांगा गया है। करीब 30 हजार एकड़ में आगरा अर्बन सेंटर का विकास होना है। इसके लिए महायोजना तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। महायोजना को अंतिम रूप से देने से पहले सीईओ राकेश कुमार सिंह ने परीक्षण कराने का निर्देश दिया है। उनका कहना है कि यह परीक्षण इसलिए जरूरी है कि आगरा की संस्कृति और आर्किटेक्चर यहां प्रतिबिंबित हो पाए। ब्यूरो